भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1899
शुक्रवार, 29 नवम्बर, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

बेमौसमी वर्षा

1899. श्री उत्तम कुमार रेड्डीः

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उन राज्य/संघ राज्यक्षेत्र का ब्यौरा क्या है जहां अक्तूबर, 2019 में बेमौसमी वर्षा हुई तथा इन राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में वर्षा से प्रभावित कृषि क्षेत्र का क्षेत्रफल क्या है;

(ख) क्या इस बेमौसमी वर्षा से फसलों को हुई क्षति का आकलन करने के लिए कोई अध्ययन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार के पास इस मौसम में असामयिक बदलाव के बारे में और अधिक सटीकता से पूर्वानुमान लगाने में सक्षम बनाने के लिए मौसम पूर्वानुमान अवसंरचना में सुधार लाने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या इस प्रकार की स्थितियों के लिए किसानों को तैयार करने के लिए सूचना प्रसार और संचार में सुधार लाने की सरकार की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

(क) और (ख) अक्टूबर, 2019 में हुई वर्षा के आंकड़े (राज्य/संघक्षेत्रवार) **अनुलग्नक-I** में दिए गए हैं। ऐसे 11 राज्य हैं, जहां अक्टूबर महीने में अत्यंत अतिशय (सामान्य से 60% से अधिक) वर्षा हुई । मध्य भारत से दक्षिण पश्चिम मानसून की विलंब से हुई वापसी के कारण अक्टूबर माह में लंबे समय तक हुई वर्षा के कारण कुछ राज्यों (झारखंड, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, ओडिशा, छत्तीसगढ़, केरल, मध्य प्रदेश) में खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान हुआ है। इन राज्यों में वर्षा से प्रभावित कृषि भूमि के गृह मंत्रालय के आपदा प्रबंधन प्रभाग द्वारा मुहैया कराये गये है। क्षेत्र फल का विवरण **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

(ग) जी, हाँ। भारत मौसम विज्ञान विभाग देश में कृषक समुदाय के लाभ के लिए एक ऑपरेशनल एग्रोमेट्रोलॉजिकल एडवाइजरी सर्विस (एएएस) अर्थात ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (जीकेएमएस) प्रदान करता है। इस योजना के तहत, जिला स्तर पर मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान (5 दिनों तक का पूर्वानुमान) तैयार किया जाता है। इस पूर्वानुमान के आधार पर, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और आईआईटी आदि संस्थानों में स्थित 130 एग्रोमेट फील्ड यूनिट्स (एएमएफयू) द्वारा एग्रोमेट परामर्शिकाएँ तैयार की जाती हैं और दिन-प्रतिदिन के कृषिगत कार्यों का निर्णय लेने के लिए किसानों को हर मंगलवार और शुक्रवार को प्रसारित की जाती हैं। आईएमडी द्वारा प्रदान की गई एग्रोमेट्रोलॉजिकल एडवाइजरी सर्विस असामान्य मौसम के कारण फसल के नुकसान और क्षति को कम करने के अलावा फसल उत्पादन और खाद्य सुरक्षा को बढ़ाने के लिए समर्पित मौसम आधारित फसल और पशुधन प्रबंधन रणनीतियों और प्रचालनों की दिशा में एक कदम है।

आईएमडी अब शीघ्र ही देश में आईसीएआर के सहयोग से ब्लॉक स्तरीय एग्रोमेट एडवाइजरी सेवाएं कार्यान्वित करेगा। आईसीएआर के नेटवर्क के तहत कृषि विकास केन्द्रों (केवीके) में जिला एग्रोमेट यूनिट्स (डीएएमयू) स्थापित की जा रही हैं। ब्लॉक स्तर पर एएएस के कार्यान्वयन से मौसम और जलवायु में सूक्ष्म-स्तर के परिवर्तन का पता चल सकेगा जिससे अधिक संख्या में किसानों को लाभ होगा।

(घ) कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए किसान पोर्टल के माध्यम से मोबाइल का उपयोग करके एसएमएस सहित प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, दूरदर्शन, रेडियो, इंटरनेट आदि जैसे मल्टीचैनल प्रसारण प्रणालियों और पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के माध्यम से प्राइवेट कंपनियों द्वारा भी किसानों को एग्रोमेट परामर्शिकाएँ प्रदान की जाती हैं। वर्तमान में, देश में 40 मिलियन से अधिक किसानों को एसएमएस के माध्यम से सीधे ही एग्रोमेट परामर्शिकाएँ प्राप्त होती हैं। आईसीएआर के कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) ने अपने वेब पोर्टल में संबंधित जिला स्तरीय परामर्शिका का भी लिंक दिया है। भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा हाल ही में 'मेघदूत' नामक एक मोबाइल ऐप शुरू किया गया है, जो किसानों को मौसम संबंधी जानकारी और उनके जिलों से संबंधित एग्रोमेट परामर्शिकाएँ उपलब्ध कराने में मदद करेगा। एसएमएस के माध्यम से एग्रोमेट परामर्शिकाएँ प्राप्त करने वाले किसानों की राज्यवार संख्या का उल्लेख **अनुलग्नक-III** में किया गया है।

*****

<u>अनुलग्नक-I</u>

<u>अक्टूबर-2019 में हुई वर्षा का राज्यवार वितरण (मिमी. में)</u>

क्र. सं.	राज्य	अवधि: वास्तविक	01.10.2019 सामान्य	से % विचलन.	31.10.2019 तक श्रेणी
पूर्व और पूर्वोत्तर भारत					
1	अरुणाचल प्रदेश	116.8	184.9	-37%	डी
2	असम	147.5	128.1	15%	एन
3	मेघालय	339.6	268.5	26%	ई
4	नागालैंड	173.2	118.4	46%	ई
5	मणिपुर	108.4	162.8	-33%	डी
6	मिज़ोरम	121.9	202.9	-40%	डी
7	त्रिपुरा	189.8	170.8	11%	एन
8	सिक्किम	81.9	166.8	-51%	डी
9	पश्चिम बंगाल	163.7	132.3	24%	ई
10	झारखंड	132.8	74.7	78%	एलई
11	बिहार	25.5	61.6	-59%	डी
उत्तर पश्चिम भारत					
1	उत्तर प्रदेश	18.7	31.0	-40%	डी
2	उत्तराखंड	32.0	35.3	-9%	एन
3	हरियाणा	5.0	9.8	-49%	डी
4	चंडीगढ़ (यूटी)	0.3	22.2	-99%	एलडी
5	दिल्ली	13.5	11.7	16%	एन
6	पंजाब	9.1	8.9	2%	एन
7	हिमाचल प्रदेश	21.9	27.5	-20%	डी
8	जम्मू एंड कश्मीर	28.3	36.0	-21%	डी
9	राजस्थान	22.1	10.0	121%	एलई
मध्य भारत					
1	उड़ीसा	176.1	100.2	76%	एलई
2	मध्य प्रदेश	47.9	31.7	51%	ई
3	गुजरात	52.3	16.7	213%	एलई
4	दादर एंड नागर हवेली (यूटी)	89.5	40.2	123%	एलई
5	दमन एंड द्वीप (यूटी)	36.9	33.8	9%	एन
6	गोवा	547.7	156.3	250%	एलई
7	महाराष्ट्र	161.6	71.1	127%	एलई
8	छत्तीसगढ़	100.3	59.4	69%	एलई
दक्षिण प्रायद्वीप					
1	अंडमान एंड निकोबार आईसलैंड (यूटी)	136.6	282.4	-52%	डी
2	आंध्र प्रदेश	217.4	165.9	31%	ई
3	तेलंगाना	160.3	92.7	73%	एलई
4	तमिलनाडु	224.4	176.9	27%	ई
5	पुडुच्चेरी (यूटी)	295.3	262.0	13%	एन
6	कर्नाटक	268.8	131.1	105%	एलई
7	केरल	470.0	303.4	55%	ई
8	लक्ष्यद्वीप (यूटी)	527.7	142.3	271%	एलई
समग्र देश		109.7	76.0	44%	

<u>राज्यो की संख्या का श्रेणीवार वितरण</u>			
श्रेणी	**अवधि:**	**01.10.2019 से**	**31.10.2019 तक**
	राज्यों की संख्या		
एलई (अत्यंत अतिशय) (+60% अथवा अधिक)	**11**		
ई (अतिशय) (+20% से +59%)	**7**		
एन (सामान्य) (+19% से -19%)	**7**		
डी (अल्प) (-20% से -59%)	**10**		
एलडी (अत्यंत अल्प) (-60% से -99%)	**1**		
एनआर (वर्षा नहीं हुई) -100%)	**0**		

अक्तूबर में हुई वर्षा से प्रभावित कृषिभूमि का क्षेत्र*

राज्य/संघक्षेत्र	**प्रभावित कृषिभूमि का क्षेत्र**
झारखंड	आंकलन किया जा रहा है
राजस्थान	आंकलन किया जा रहा है
गुजरात	आंकलन किया जा रहा है
महाराष्ट्र	आंकलन किया जा रहा है
कर्नाटक	10.2 लाख हेक्टेयर
उड़ीसा	8029 हेक्टेयर (आंकलन किया जा रहा है)
छत्तीसगढ़	आंकलन किया जा रहा है
केरल	13086 हेक्टेयर
मध्य प्रदेश	6.3 लाख हेक्टेयर

*** स्रोत: आपदा प्रबंधन प्रभाग, गृह मंत्रालय**

अनुलग्नक-III

पीपीपी मोड के तहत किसान पोर्टल और निजी कंपनियों के माध्यम से राज्यवार भेजे गए एसएमएस						
राज्य	किसान पोर्टल	इफको	रिलायंस फाउंडेशन	किसान संचार	ऐप और अन्य	**कुल**
अंडमान एंड निकोबार आईसलैंड	7458					7458
आंध्र प्रदेश	4021389	96186	595323	106		4713004
तेलंगाना	872028		132426			1004454
अरुणाचल प्रदेश	1396					1396
असम	105647					105647
बिहार	918160	547669	21516	3755		1491100
छत्तीसगढ़	1771510		55213			1826723
गुजरात	1514583	45910	472079			2032572
हरियाणा	1241693	12367		2078	362000	1618138
हिमाचल प्रदेश	286617	21495				308112
जम्मू एंड कश्मीर	50174					50174
झारखंड	880415		29334	800		910549
कर्नाटक	336102	78566	102696			517364
केरल	655547		193215			848762
मध्य प्रदेश	1279384	86343	194894	3415		1564036
महाराष्ट्र	6784352	41076	1229669	1816		8056913
मणिपुर	197					197
मेघालय	1441					1441
मिज़ोरम	1306					1306
नागालैंड	32312					32312
नई दिल्ली	6186					6186
उड़ीसा	2579952	309048	1223550			4112550
पंजाब	627399	30569	10735			668703
राजस्थान	1758670	164061	55442	2127		1980300
तमिलनाडु	1082708	35656	1009248	109		2127721
त्रिपुरा	19960		14149			34109
उत्तर प्रदेश	3761473	781942	110000	5963		4659378
उत्तराखंड	209890		904	52		210846
पश्चिम बंगाल	1194272	92488	31723			1318483
कुल	**32002221**	**2343376**	**5482116**	**20221**	**362000**	**40209934**

****